https://universitynews.in/

Roll No. ....

ED–2322

M. A. (Previous) EXAMINATION, 2021

HINDI

Paper Second

(प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 100

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों के उत्तर सक्रम लिखिए।

1. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 30

(क) हेम हंस तन धरिय। विपन मद्दे विक्षाम लिय॥

दिव्य तास शशीव्रन। अतिहि अत्वरिज्ज मान जिय॥

बल कर गहिय सु तथ्य। हत्थ लै करि लिहि पुच्छिय॥

कवन देव तुम थान। कवन माया तन आच्छिय॥

उत्त्वरयौ हंस शशिव्रन सम। मति प्रधान गन्धर्व हम॥

सुरराज काज भाए करन। तीन लोक हम बा लगान॥

अथवा

देख-देख राधा रूप अपार, अनुरूप के बिहि आनि

मिलाओल, खिति-तल लावनि-सार।

अंगहि अंग अनंग मुरछायल हेरए पड़ए अधीर।

मनमथ कोटि मथन करु जै जन, से हेरि महि मधि गीर।

P. T. O.

https://universitynews.in/

https://universitynews.in

https://universitynews.in/

कल-कल लखिमी-वरन तल ने ओछाए रंगिनि हेरि विभोरि।
कऊ अभिलाख मनहि पद पंकज, अहोनिसि कोई अगोरि।

(ख) काहे री नलनी लूँ कुमिलाँनी, तेरे ही नाल सरोवर पानी॥
जल में उत्पत्ति जल में वास, जल में नलिनी तोर निवास॥
ना तलि तपति न ऊपरि आगि, तोर हेतु कहु कासानि लागि॥
कहै कबीर जो उदिक समान, ले नहीं मुए हमारे जान॥

अथवा

बिन गोपाल बैरिन भई कुंजै।
तब से लता लगति अति सीतल, अब विषम ज्वाल की पुंजै॥
बृथा बहति जमुना खग बोलत, बृथा कमल फूलै, अलि गुंजै॥
पवन पानि धनसार संजीवनी, दधिसुत किरन भानु भई भुंजै॥
ऐ ऊधौ कहियो माधव सौ, बिरह कवन करि मारत लुंजै।
सूरदास प्रभु को मग जोवत, अँखियाँ भई बरन ज्यों गुंजै॥

(ग) कह लंकेस कवन लै कीसा। केहि के बल धालेहि बान खीस॥
की धौं श्रवन सुनेहि नहिं मोही। देखऊँ अति असंक सठ तोही॥
मारे निसिचर केहि अपराधा। कहु सठ लोहि न प्रान कइ बाधा॥
सुनु रावण ब्रह्मांड निकासा। पार जासु बल बिरचित माया॥
जाके बल विरंचि हर ईसा। पालन सृजन हरन दससीसा॥
जा बाल सीसा धरत सहसानन। अंहकोस समेत गिरि कानन॥

https://universitynews.in/

https://universitynews.in/

धरइ जो विविध देह सुरत्राता। तुम्ह से सठन्ह सिखावन दाता॥

हर को दंड कठिन जेहि भंजा। लेहि समेत नृप दल मद गंजा॥

अथवा

पत्राही तिथि पाइयै, वा घर के चहुँ पास।
मित प्रति पुन्यौई रहै, आनन ओप उजास॥

तंत्री नाद, कवित्त रस, सरस राग, रति-रंग।
अनबूड़े बूड़े विरे, जे बूड़े सब अंग॥

अजौ तरयौना ही रहयौ, श्रुति सेवत इक रंग।
नाक-बास बेसरि लहयौ, बसि मृकुलनु के संग॥

2. रासो काव्यपरम्परा में 'पृथ्वीराजरासो' का स्थान निर्धारित करते हुए शशिवृता विवाह समय का संक्षिप्त कथानक प्रस्तुत कीजिए। 15

अथवा

"विद्यापति शृंगार और भक्ति के कवि माने जाते है" उक्त कथन की पुष्टि कीजिए।

3. कबीर की भक्ति-भावना का निरूपण कीजिए। "सूर का भ्रमरगीत विप्रलंभ शृंगार का उत्कृष्ट उदाहरण है।" इस कथन को उदाहरणों द्वारा सिद्ध कीजिए। 15

अथवा

तुलसीदास को समन्वय वादी कवि क्यों कहा जाता है ? उदाहरण सहित लिखिए।

अथवा

"सलसैया के दोहरे ज्यों नाविक के तीर। देखन में छोटे लगे घाव करें गंभीर"—इस दोहे का भाव स्पष्ट करते हुए बिहारी के काव्य का मूल्यांकन कीजिए।

https://universitynews.in/

https://universitynews.in/

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर टिप्पणियाँ लिखिए : 20

(i) रैदास का भाव लोक

(ii) रसखान की भक्ति

(iii) पद्माकर का प्रकृति प्रेम

(iv) भूषण की राष्ट्रीयता

(v) केशव का साहित्यिक परिचय

(vi) रहीम के काव्य में जीवन दर्शन

(vii) मीरा की भक्ति भावना

(viii) देव का काव्य वैभव

5. निम्नलिखित में से किन्हीं बीस प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 20

(i) 'मैथिल कोकिल' किसे कहते हैं ?

(ii) 'प्रेम बातिका' किसकी रचना है ?

(iii) 'पुष्टिमार्ग का जहाज' किसे कहा जाता है ?

(iv) 'छटाशाल दशक' के रचनाकार का नाम लिखिए।

(v) 'रामचरित मानस' में कितने काण्ड हैं ?

(vi) 'कठिन काव्य का प्रेत' किसे कहा जाता है ?

(vii) बिहारी के ग्रंथ का नाम लिखिए।

(viii) 'हिम्मत बहादूर विखावली' किसकी रचना है ?

(ix) कवि देव का पूरा नाम लिखिए।

(x) 'प्रभुजी तुम चंदन हम पानी' किस कवि के पद की पंक्ति है ?

(xi) तुलसीदास के बचपन का नाम क्या था ?

(xii) मीरा के काव्य की भाषा कौन-सी है ?

(xiii) 'बीजक' किस कवि की रचना है ?

https://universitynews.in

https://universitynews.in/

https://universitynews.in/

(xiv) किस रस को 'रसराज' कहा गया है ?

(xv) 'मेरी भव बाधा हरौ राधा नागरि सोय' यह पंक्ति किस कवि की है ?

(xvi) लोकमंगल का कवि किसे माना जाता है ?

(xvii) मीरा बाई के गुरु कौन थे ?

(xviii) 'भ्रमर' शब्द का प्रयोग गोपियों ने किसके लिए किया है ?

(xix) 'रामचंद्रिका' के रचनाकार कौन है ?

(xx) कबीर के गुरु का नाम लिखिए।

(xxi) सख्य भाव की भक्ति किस कवि की मानी जाती है ?

(xxii) संवाद योजना में सर्वाधिक सफलता किस कवि को मिली है ?

(xxiii) वात्सल्य रस का सम्राट किस कवि को कहा जाता है ?

(xxiv) किस कवि ने काव्य रचना का प्रयोजन स्वान्त सुखाय माना है ?

https://universitynews.in

https://universitynews.in/